



ध्येय IAS®

most trusted since 2003

Updated 2019

इतिहास

(सामान्य अध्ययन)

भारतीय संस्कृति एवं विरासत

(स्थापत्य कला - II)

द्वारा

विजय वेद सर

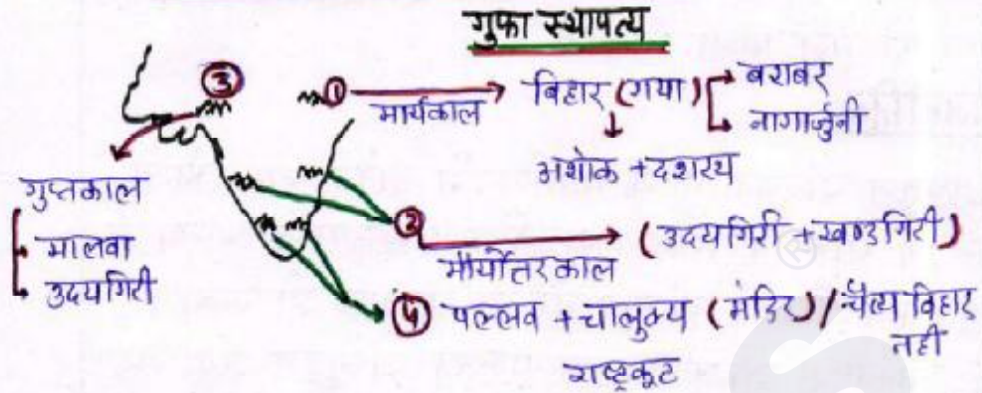
FACE TO FACE CENTRES

MUKHERJEE NAGAR (Head Office) :	A-12/13 ANSAL BUILDING, DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI - 110009, 9205274741/ 42/ 43/ 44
RAJENDRA NAGAR :	25B, SECOND FLOOR, PUSA ROAD NEW DELHI - 9205274743, 9205274745
LAKSHMI NAGAR :	1/53, 3RD FLOOR, LALITA PARK, LAXMI NAGAR, DELHI-92, 011-43012556, (+91)- 9311969232
RESIDENTIAL ACADEMY :	28/1A, KNOWLEDGE PARK III, GREATER NOIDA, UTTAR PRADESH - 201306, PHONE: 092053 36037/38/39
PRAYAGRAJ :	IIND & IIIRD FLOOR, SHRI RAM TOWER, 17C, SARDAR PATEL MARG, CIVIL LINES, ALLAHABAD PH.: 0532-2260189, 08853467068
LUCKNOW- ALIGANJ CENTRE :	A-12, SECTOR-J, ALIGANJ, LUCKNOW PH.: 0522-4025825, 09506256789
LUCKNOW- GOMTI NAGAR CENTRE:	CP-1, JEEWAN SHOPING COMPLEX, VIRAM KHAND-5, NEAR HUSARIYA CHAURAHA, GOMTI NAGAR, LUCKNOW -227106 PHONE: +91 7234000501, 7234000502
BHUBANESWAR :	OEU TOWER, THIRD FLOOR, KIIT ROAD, PATIA, BHUBANESWAR, ODISHA 751024, PH.: +91 9818244644, 7656949029

LIVE STREAMING CENTRES

Ahmedabad	9879113469/8000162499	Jodhpur	9529989199/9928965998
Aligarh	9837877879	Jalandhar	9888777887
Azamgarh	7617077051	Kanpur	7275613962
Bahraich	7275758422	Kurukshetra	8950728524
Bareilly	9917500098	Lucknow Alambagh	7518373333
Chandhigarh	8146199399/9050888338	Ludhiana	9876218943/9888178344
Faridabad	9711394350	Moradabad	9927622221
Gorakhpur	7080847474	Patiala	9041030070
Gwalior	9893481642	Patna	9334100961
Haldwani	8077728957/7060172525	Rewa	9926207755
Hisar	9996887708	Varanasi	7408098888
Jabalpur	8982082023		

-६०३- चैत्य एवं विहार -६०३-



सामान्य परिचय

भारत में आब्रम (निवास) एवं चित्रकारी के लिए पाषाण काल में ही मानव द्वारा प्राकृतिक गुफाओं का प्रयोग किया जाता था। लेकिन पहाड़ी की काटकर गुफा निर्माण सर्वप्रथम मौर्यकाल में हुआ। आगे के कालों में गुफाओं की काटकर चैत्य, विहार, मठ, मंदिर जैसे अनेक संरचनाओं का निर्माण किया गया।

गुफा स्थापत्य के विकास के कारण

पहाड़ियों की काटकर विविध रूप रंगों के स्थापत्यनिर्माण के पीछे अनेक कारण थे। जैसे-

१. धार्मिक / दार्शनिक

भारत के सभी धर्म सत्यास एवं मोक्ष की वकालत करते हैं। हिंदू धर्म में चार पुरुषार्थों (धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष) तथा चार आश्रमों (ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वनप्रस्थ, संन्यास) की महत्वपूर्ण रचाना देता है। इसी प्रकार जैन एवं बौद्ध धर्म गृह त्यागकर एकल में ध्यान लगाने एवं ज्ञान प्राप्ति पर बल देते हैं। भारत के सभी धर्मों द्वारा स्कान्त

एवं सन्यास की महत्व दिया गया। इससे पहाड़ियों को काट कर चैन्यों, विहारों एवं भठों जैसे संरचनाओं के निर्माण की काफी बल मिला।

2. राजनीतिक

गैलकृत संरचनाओं के निर्माण में अनेक शासकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। राजकीय संरक्षण के कारण ही अद्विष्ट एवं विशाल संरचनाओं का निर्माण हो सका। मौर्य, सातवाहन, खाखेल, गुप्त, पल्लव, चालुक्य तथा राष्ट्र-कुटों ने इसे विशेष रूप से बढ़ावा दिया।

3. आर्थिक

प्राचीन भारत कृषि, व्यापार, वाणिज्य में काफी सम्व्यथा विदेशी व्यापार के माध्यम से भारत हमेशा लाभ की स्थिति में रहा। इसकी सन की शताब्दियों में व्यापार-वाणिज्य का विकास हुआ अतः आर्थिक समृद्धि ने कलाओं के निर्माण को बल दिया।

4. सामाजिक

भारतीय समाज के सभी वर्गों, यहां तक कि भारत आने वाले विदेशियों ने भी कलाओं के निर्माण में रुचि ली एवं सहयोग दिया। भारतीय कलाएं किसी न किसी धर्म से जुड़ी थीं। अतः उनका निर्माण पुण्यकर्म से प्रेरित होकर भी किया गया। समाज द्वारा सामुहिक दान दिए गए। इससे कलाओं के निर्माण की बल मिला।

चैत्य एवं विहार :-

चैत्य किसी संत, महात्मा या आचार्य की समाधि की पूजा के लिए बनवाया गया मानव निर्मित संरचना होते थे।

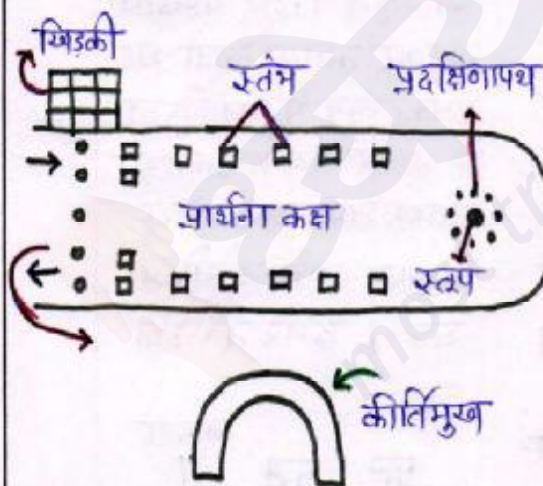
चैत्य दो प्रकार के होते थे।

संरचनात्मक

शैलकृत

इसका निर्माण खूले में घास-फूस बाँस बल्ली या कमी-2 ईंटों एवं पत्थरों के प्रयोग से झोपड़ी की आकृति में किया जाता था।

इसका निर्माण पहाड़ी को काटकर किया जाता था। पहाड़ी को सामने से काटकर भदर की ओर फैलाया जाता था। इसका अंतिम सिरा अर्धगोलाकार / गजपृष्ठाकार होता था। अंतिम सिरे पर स्तूप बना होता था। जिसके चारों तरफ अंतराल होता था स्तूप के सामने बीच में प्रार्थनाकक्ष दोनों किनारों पर स्तंभ बने होते थे। प्रवेश द्वार के पास हवादार खिड़की बनी होती थी। प्रवेश द्वार छोड़े के नाल की आकृति में बना होता था जिसे किर्तिमुख कहा जाता था।



प्रमुख चैत्य

1. [भाना . वईसा जुनार काले] - पूना जिला, महाराष्ट्र
2. कोण्डाने (कोलावा, महाराष्ट्र)
3. नासिक का चैत्य
4. पीतलखोरा . अजन्ता, एलोरा (औरंगाबाद, महाराष्ट्र)

विहार

विहार गिस्तु - गिस्तु गियों के निवास स्थल होते थे। इसे संचाराम भी कहा जाता था।

विहार दो प्रकार के बनाए जाते थे।

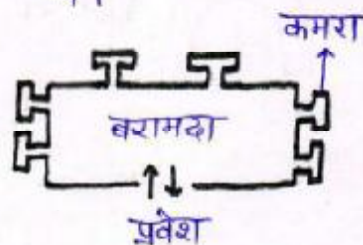
संरचनात्मक

शैलकृत

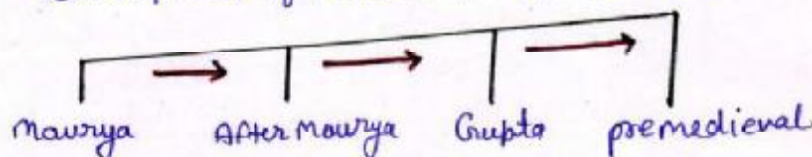
ऐसे विहारों का निर्माण खूले धरातल पर कच्ची सामग्रियों धास फूस बांस बल्ली या कभी-2 ईले या पत्थरों द्वारा आवासीय संरचना के रूप में किया जाता था वैदिक साहित्य में ऐसे विहारों की चर्चा मिलती है। बुद्ध के अनुयायियों द्वारा बौद्ध धर्म की ऐसे अनेक विहार-

जैतवन, पूर्वाराम जीविताराम आश्रमपाली - निर्माण करवाने में दिए गए थे।

शैलकृत विहार पहाड़ी को काटकर बनाया जाता था इसका निर्माण एक योजना के साथ किया जाता था जिसके तहत एक मुख्य वरामदा तथा कोनों पर छोटे-2 कमरे बने होते थे।



Development of Rock cut Architecture



Q. भारत में गुफा स्थापत्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

⇒ भारतीय स्थापत्य कला में गुफा स्थापत्य की एक लम्बी परम्परा रही। इसके तहत चैत्य विहार मठ एवं मंदिरों का निर्माण किया गया। मौर्यकाल से लेकर पूर्वमध्यकाल तक यह परम्परा जारी रही। इसके तहत अनेक भव्य मंदिरों चैत्यों आदि का निर्माण हुआ।

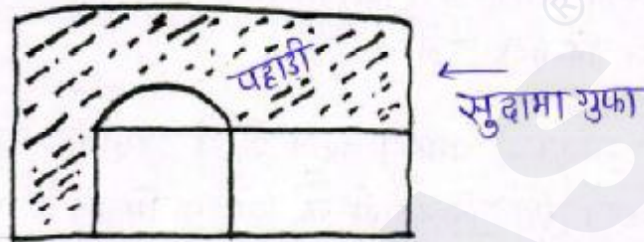
भारत में पाषाण काल से ही प्राकृतिक गुफाओं में निवास करने एवं चित्रकारी के साह्य मिलते हैं किंतु सर्वप्रथम मौर्यकाल में पहाड़ियों को काटकर गुफाओं का निर्माण कराया गया। अशोक के काल में बराबर एवं नागार्जुनी की पहाड़ियों को सामने से काटकर चैत्यों का निर्माण कराया गया। मौर्योत्तर काल में भी यह परम्परा जारी रही। मौर्योत्तर काल में उड़ीसा में उदयगिरी की पहाड़ियों को काटकर अनेक चैत्यों एवं विहारों का निर्माण शासकों के द्वारा कराया गया।

गुप्तकाल में भी गुफा स्थापत्य

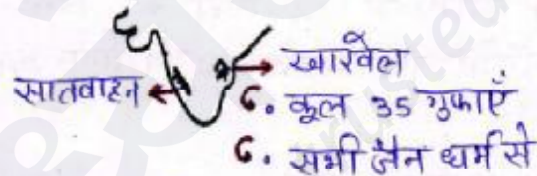
⇒ भारत में पहाड़ियों को काटकर अनेक प्रकार के स्थापत्य संरचनाओं (चैत्य विहार मठ मंदिर आदि) के निर्माण की एक लम्बी परम्परा रही है इसका प्रारम्भ सर्वप्रथम मौर्यों के काल में हुआ जो आगे पूर्वमध्यकाल तक जारी रहा।

मौर्य शासक अशोक ऐसा पहला शासक था जिसने पहाड़ी को काटकर गुफाओं का निर्माण कराया उसके द्वारा बराबर पहाड़ी (गया) पर कुल चार गुफाओं (सुदामा विश्वशोपड़ी कर्णचीपर लोमश तटस्थि) का निर्माण कराया गया इसी प्रकार बगल की पहाड़ी (नागार्जुनी) पर अशोक के

दशरथ द्वारा तीन और गुफाओं का निर्माण कराया गया। मोर्छों द्वारा निर्मित ये सभी गुफाएँ आजीवक संयासियों को दान में दी गयी थी। इनकी संरचना काफी सादी है। इन पर काष्ठकला का प्रभाव है। इन पर मौर्यकालीन पालिश किया गया है।



गुफा स्थापत्य की दृष्टि से मौर्योत्तर काल काफी समृद्ध काल था। इस समय पश्चिमी तट पर सातवाहनों एवं पूर्वी तट पर खारवेल के संरक्षण में अनेक गुफा संरचना का निर्माण कराया गया।



राष्ट्रवादी की पहाड़ियों में सातवाहनों के संरक्षण में भाला काले, जुनार, वडेसा अजन्ता आदि अनेक चैत्यों एवं विहारों का निर्माण कराया गया। ये सभी गुफा स्थापत्य (बौद्ध) के अनेक उदाहरण हैं।

मौर्योत्तर काल में पूर्वी तट पर उदयगिरी एवं खण्डगिरी की पहाड़ियों में खारवेल तथा उसके रानीयों द्वारा 35 गुफाओं का निर्माण कराया गया। ये सभी जैनियों को दान में दी गयी। इसमें हाथी गुफा, रानी गुफा, आकाशगुफा, पातालपुरी एवं सतभर गुफा आदि मुख्य हैं।

गुप्त शासकों द्वारा भी गुफा संरचनाओं का निर्माण कराया गया। मालवा के उदयगिरी तथा वाप की पहाड़ियों की काटकर कई गुफाएँ बनवायीं गयीं। उदयगिरी की पहाड़ी पर चन्द्रगुप्त द्वारा गुफा काटकर वराह की प्रतिमा का निर्माण कराया गया। गुप्त काल में ही वाकाटकों के संरक्षण में मज्जता में अनेक गुफाओं (16, 17, 1, 2) आदि का निर्माण कराया गया।

गुप्तोत्तर एवं पूर्वमध्य काल-

यह काल गुफा स्थापत्य निर्माण का अंतिम काल था। इस काल में ब्राह्मण बौद्ध तथा जैन तीनों परम्पराओं के तहत पहाड़ी की काटकर अनेक विहारों, मण्डपों, रखों एवं एकाग्र मंदिरों का निर्माण कराया गया। पल्लवों द्वारा तमिलनाडू के विविध क्षेत्रों (जैसे - महाबलीपुरम्) में कई रख एवं मंडप बनवाए गए। इसी प्रकार चालुक्यों द्वारा पदक्कल एहोल तथा बादामी में एवं राष्ट्रकुटों द्वारा एलोरा, मज्जता में अनेक गुफाओं का निर्माण कराया गया जो स्थापत्य भूर्तन एवं चित्रण के अद्भूत उदाहरण हैं।

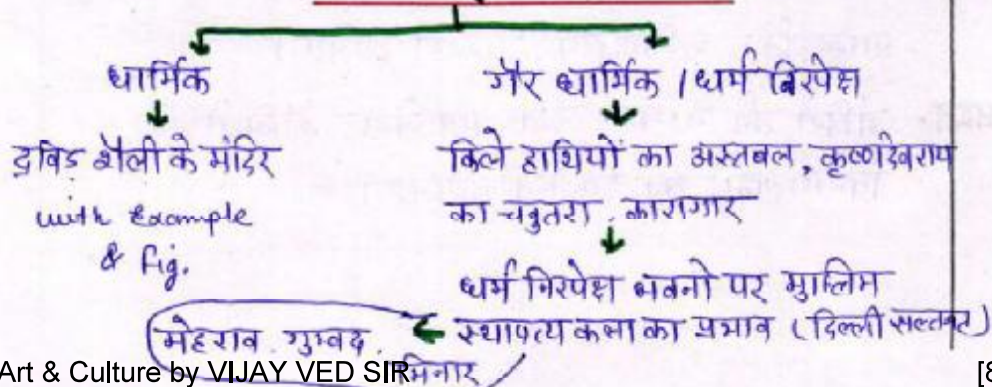
- प्रश्न-** क्या कारण है कि परम्परागत भारतीयों द्वारा बहुसंख्य संख्या में मंदिरों का निर्माण कराया गया।?
- प्रश्न-** प्राचीन भारतीयों के जीवन में मंदिरों की सामाजिक सांस्कृतिक भूमिका पर प्रकाश डालिए।
- प्रश्न-** मंदिरों की नागर इविड एवं वेसर शैलियों के विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

- प्रश्न- नागर एवं इविण शैली के मंदिरों के बीच क्या अंतर है?
- प्रश्न- मंदिरों की इविड़ एवं बेसर शैली के बीच तुलना कीजिए।
- प्रश्न- पल्लव इविड़ वास्तुकला के पथ प्रदर्शक (pioneer) र्थ चर्चा कीजिए।
- प्रश्न- इविड़ मंदिरों की शैली को किस प्रकार चोली ने ऊचाईयों तक पहुंचाया।
- प्रश्न- विजयनगर कालीन स्थापत्य की विशेषताओं की विवेचना (धार्मिक एवं धर्म निरपेक्ष / मुस्लिम प्रभाव)

Rockcut

- प्रश्न- प्राचीन भारत में गुफा स्थापत्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।
- प्रश्न- क्या कारण है कि प्राचीन भारत में गुफाओं को काटकर अनेक अद्भुत कलाकृतियों का निर्माण किया गया
- प्रश्न- चैत्य एवं विहार से आप क्या समझते हैं? पश्चिमी भारत के कुछ महत्वपूर्ण चैत्यों की चर्चा करते हुए स्पष्ट कीजिए।

विजयनगर Architecture



Dhyeya IAS Now on Telegram

We're Now on Telegram



Join Dhyeya IAS Telegram Channel from the link given below

["https://t.me/dhyeya_ias_study_material"](https://t.me/dhyeya_ias_study_material)

You can also join Telegram Channel through Search on Telegram
"Dhyeya IAS Study Material"

Join Dhyeya IAS Telegram Channel from link the given below

https://t.me/dhyeya_ias_study_material

नोट : पहले अपने फ़ोन में टेलीग्राम App Play Store से Install कर ले उसके बाद लिंक में क्लिक करें जिससे सीधे आप हमारे चैनल में पहुँच जायेंगे।

You can also join Telegram Channel through our website

www.dhyeyaias.com

www.dhyeyaias.in



Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400

Subscribe Dhyeya IAS Email Newsletter

(ध्येय IAS ई-मेल न्यूजलेटर सब्सक्राइब करें)

जो विद्यार्थी ध्येय IAS के व्हाट्सएप ग्रुप (Whatsapp Group) से जुड़े हुये हैं और उनको दैनिक अध्ययन सामग्री प्राप्त होने में समस्या हो रही है | तो आप हमारे ईमेल लिंक Subscribe कर ले इससे आपको प्रतिदिन अध्ययन सामग्री का लिंक मेल में प्राप्त होता रहेगा | **ईमेल से Subscribe करने के बाद मेल में प्राप्त लिंक को क्लिक करके पुष्टि (Verify) जरूर करें** अन्यथा आपको प्रतिदिन मेल में अध्ययन सामग्री प्राप्त नहीं होगी |

नोट (Note): अगर आपको हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में अध्ययन सामग्री प्राप्त करनी है, तो आपको दोनों में अपनी ईमेल से **Subscribe** करना पड़ेगा | आप दोनों माध्यम के लिए एक ही ईमेल से जुड़ सकते हैं |

Join Dhyeya IAS Whatsapp Group by Sending "Hi Dhyeya IAS" Message on 9205336039.

Subscribe Dhyeya IAS Email Newsletter

Step by Step guidance for Subscription:

- **1st Step:** Fill Your Email address in form below. you will get a confirmation email within 2 min.
- **2nd Step:** Verify your email by clicking on the link in the email. (Check Inbox and Spam folders)
- **3rd Step:** Done! you will receive alerts & Daily Free Study Material regularly on your email.

Subscribe



Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400

ध्येय IAS अब व्हाट्सएप पर Dhyeya IAS Now on Whatsapp

ध्येय IAS अब व्हाट्सएप पर
मुफ्त अध्ययन सामग्री उपलब्ध है

ध्येय IAS के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने
के लिए 9355174442 पर **"Hi Dhyeya IAS"**
लिख कर मैसेज करें

आप हमारी वेबसाइट के माध्यम से भी जुड़ सकते हैं
www.dhyeyaias.com
www.dhyeyaias.in



ध्येय IAS के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए **9355174442** पर **"Hi Dhyeya IAS"** लिख कर मैसेज करें

नोट: अगर आपने हमारा Whatsapp नंबर अपने Contact List में Save नहीं किया तो आपको प्रीतिदिन के मैटेरियल की लिंक प्राप्त नहीं होंगी इसलिए नंबर को Save जरूर करें।

आप हमारी वेबसाइट के माध्यम से भी जुड़ सकते हैं

www.dhyeyaias.com
www.dhyeyaias.in



Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400